PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, New Delhi
Sunday 26th January 2014, Page: 9
Width: 13.13 cms, Height: 16.24 cms, a4, Ref: pmin.2014-01-26.24.81

रेनबैक्सी की वापसी मुश्किल: विश्लेषक

मुंबई (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी दवा कंपनियों में शुमार रेनबैक्सी की हालत दिनोंदिन खराब होती जा रही है। अमेरिका के खाद्य एवं दवा प्रशासन की तरफ से कंपनी के टोंसा (पंजाब) कारखाने में बनी दवा और कच्चे माल के आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद कंपनी के शेयर में शुक्रवार को 19.6 प्रतिशत गिरावट आई।

लेकिन यह समस्या का केवल एक पहलू है। असल में साल 2014 के दौरान अब तक रेनबैक्सी के शेयर में करीब 10 प्रतिशत गिरावट आ चुकी है। दूसरी तरफ इसी अवधि में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज का शेयर 5 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। इसके अलावा अरविंदो फार्मा के शेयर में करीब 9 प्रतिशत तेजी आई है।

जाहिर है, कंपनी के भीतर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। विभिन्न विश्लेषकों ने इसकी खराब होती हालत की कई वजहें गिनाई हैं।

1. अमेरिका में हालिया प्रतिबंध से पहले कंपनी के देवास, पाओंटा साहिब और मोहाली कारखानों में बनी दवाओं पर भी सवाल उठे थे।
2. रेनबैक्सी के प्रोडक्ट के प्रति अमेरिकी प्रशासन का रवैया लगातार खराब होते जा रहा है, जबकि कंपनी करीब 40 प्रतिशत बिजनेस के लिए अमेरिकी बाजार पर ही निर्भर है।
3. हालिया प्रतिबंध के बाद अमेरिकी बाजार की जरूरतें पूरी करने के लिए रेनबैक्सी के पास उत्पादन के पर्याप्त साधन नहीं बचे हैं, जाहिर है, अमेरिकी बाजार हाथ से निकल सकता है।
4. आशंका जताई जा रही है कि अगली 3-4 तिमाहियों के दौरान अमेरिकी बाजार में रेनबैक्सी की बिक्री लगभग 35-40 प्रतिशत घट जाएगी।
5. विश्लेषकों के मुताबिक रेनबैक्सी को तमाम विवादित कारखानों में पाई गईं गड़बड़ियां दूर करने में काफी खर्च उठाना पड़ेगा, ऐसे में लंबी अवधि में निवेशकों का जोखिम बढ़ेगा।